NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

भारत-कनाडा कूटनीतक विवाद

www.nextias.com

भारत-कनाडा कूटनीतिक विवाद

सन्दर्भ

- हाल ही में, कनाडा सरकार ने भारतीय राजनयिकों को 'हितधारक व्यक्ति' के रूप में नामित किया, जिससे भारत और कनाडा के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की ओर से निष्कासन और आरोप-प्रत्यारोप की एक श्रृंखला शुरू हो गई।

भारत-कनाडा संबंध

- भारत और कनाडा के बीच बहुआयामी संबंध हैं, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, सांस्कृतिक विविधता और मजबूत आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं। हालाँकि, हाल के घटनाक्रमों ने महत्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं, जो इस द्विपक्षीय साझेदारी की लचीलापन की परीक्षा ले रही हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ

- भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध 1947 में स्थापित हुए थे, भारत को स्वतंत्रता मिलने के कुछ समय बाद।
- पिछले दशकों में, दोनों देशों ने शिक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग किया है।
- उच्च स्तरीय यात्राओं और समझौतों ने प्रायः संबंधों को मजबूत किया है, जैसे कि 2018 में कनाडाई प्रधान मंत्री की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित छह समझौते।

भारत-कनाडा संबंधों का महत्व

- **आर्थिक और व्यापारिक संबंध:** आर्थिक जुड़ाव भारत-कनाडा संबंधों की आधारशिला है। द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार हो रहा है, दोनों देश सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि जैसे क्षेत्रों में अवसरों की खोज कर रहे हैं।
  - 2023 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 9.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जिसमें महत्वपूर्ण सेवा व्यापार शामिल है।
    - **निर्यात:** फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान, आभूषण, समुद्री भोजन, इंजीनियरिंग सामान।
    - **आयात:** खनिज, दालें, पोटाश और रसायन।
  - कनाडा भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, और कनाडा भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
  - भारत में कनाडा का निवेश 75 बिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक है, जिसमें 600 से अधिक कनाडाई कंपनियाँ भारत में कार्य कर रही हैं।
- **लोगों से लोगों के बीच संबंध:** कनाडा में भारतीय प्रवासी, जो सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक है, द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - शैक्षणिक आदान-प्रदान मजबूत है, जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय छात्र कनाडाई संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कनाडा में सबसे बड़ा विदेशी छात्र जनसांख्यिकी भारतीय है, जिसमें लगभग 427,000 छात्र हैं।

- कनाडा में एक महत्वपूर्ण भारतीय प्रवासी (लगभग 1.8 मिलियन) है, जो इसकी अर्थव्यवस्था और समाज में योगदान देता है।

- **कूटनीतिक और रणनीतिक हित:** दोनों देशों के रणनीतिक हित हैं जो आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसे कई क्षेत्रों में संरेखित हैं।
  - हालाँकि, वर्तमान कूटनीतिक विवाद ने इन सामान्य लक्ष्यों को पीछे छोड़ दिया है। उच्च-स्तरीय वार्ता जारी है, लेकिन सामान्यीकरण का मार्ग चुनौतियों से भरा हुआ है।

हालिया तनाव

- भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध एक नए निम्न स्तर पर पहुंच गए हैं, जो लगातार बढ़ती कार्रवाइयों और प्रतिक्रिया द्वारा चिह्नित हैं और एक वर्ष से अधिक समय से चल रहे हैं, जो मुख्य रूप से 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भड़के हैं।
- कनाडा ने भारतीय राजनयिकों पर संलिप्तता का आरोप लगाया है, जिसके कारण आपसी निष्कासन हुआ और तनाव बढ़ा, तथा भारतीय उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को निज्जर की हत्या में 'रुचि रखने वाले व्यक्ति' बताते हुए उनसे जांच और पूछताछ की मांग की है।
- भारत सरकार ने इन आरोपों का जोरदार खंडन करते हुए इन्हें 'निरर्थक' और राजनीति से प्रेरित बताया है।
- दोनों देशों ने तब से अपने राजनयिक कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में काफी तनाव उत्पन्न हो गया है।

क्या आप जानते हैं?

- 'हितधारक व्यक्ति' शब्द का अर्थ ऐसे व्यक्तियों से है जिनके बारे में माना जाता है कि उनके पास आपराधिक जांच में जानकारी या संलिप्तता है, लेकिन उन पर औपचारिक रूप से आरोप नहीं लगाया गया है या उन पर आरोप नहीं लगाया गया है।
  - यह दर्जा अधिकारियों को औपचारिक आरोप लगाए बिना इन व्यक्तियों पर सख्त नज़र रखने की अनुमति देता है।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विदेशी अधिकारियों को 'हितधारक व्यक्ति' के रूप में लेबल करना राजनयिक संबंधों को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि यह मेजबान देश में उनकी राजनयिक प्रतिरक्षा, विश्वसनीयता और आवागमन की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है।

अंतर्निहित कारण

- **राजनीतिक गतिशीलता:** कनाडा सरकार पर कनाडा के अंदर अलगाववादी समर्थक समूहों से राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए खालिस्तानी मुद्दे का लाभ उठाने का आरोप लगाया गया है।
- **सुरक्षा संबंधी चिंताएँ:** भारत ने कनाडा द्वारा उन व्यक्तियों और समूहों के प्रति कथित नरमी पर चिंता व्यक्त की है जिन्हें वह हिंसक चरमपंथी और आतंकवादी मानता है।
- **प्रत्यर्पण अनुरोध:** भारत ने कनाडा के साथ कई प्रत्यर्पण अनुरोध साझा किए हैं, जिनमें आपराधिक गिरोहों से संबंधित अनुरोध भी शामिल हैं, लेकिन दावा किया है कि कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

निहितार्थ

- **द्विपक्षीय संबंध:** राजनयिकों के निष्कासन और कर्मचारियों की संख्या में कमी से राजनयिक एवं वाणिज्य दूतावास सेवाओं में महत्वपूर्ण मंदी आ सकती है, जिसका प्रभाव दोनों देशों के नागरिकों पर पड़ेगा।
- **अंतर्राष्ट्रीय छवि:** चल रहे विवाद से वैश्विक मंच पर भारत की छवि प्रभावित हो सकती है, विशेषकर अगर भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा सीमा से अधिक काम करने के आरोप साबित हो जाते हैं।
- **आर्थिक संबंध:** बिगड़ते राजनयिक संबंधों के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश प्रभावित हो सकता है।

निष्कर्ष और आगे की राह

- भारत-कनाडा संबंध एक महत्वपूर्ण बिंदु पर हैं। जबकि ऐतिहासिक संबंध और आपसी हित एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं, हाल की घटनाओं ने महत्वपूर्ण जटिलताएँ प्रस्तुत की हैं।
- आगे बढ़ते हुए, दोनों देशों को अपनी साझेदारी को बहाल करने और मजबूत करने के लिए इन चुनौतियों को सावधानीपूर्वक नेविगेट करने की आवश्यकता है।
- जैसे-जैसे स्थिति सामने आती है, भारत और कनाडा दोनों के लिए इस कूटनीतिक संकट को सावधानी से नेविगेट करना महत्वपूर्ण है। जबकि भारत के लिए अपने राजनयिकों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना अनिवार्य है, उसे आरोपों को संबोधित करने में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. भारत-कनाडा कूटनीतिक संकट वैश्विक शक्ति संबंधों की उभरती गतिशीलता और भिन्न भू-राजनीतिक हितों वाले लोकतांत्रिक देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के प्रबंधन की जटिलताओं को किस प्रकार प्रतिबिंबित करता है?

■■■■